

ABC सुसमाचार - A (पाप) - "क्योंकि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा (या पूर्णता) से रहित हैं। जैसा लिखा है, कोई भी धर्मी नहीं, एक भी नहीं" (रोमियों 3:23, 10)। इसका मतलब है कि हर व्यक्ति पापी है, और हमारे पापों का एक परिणाम है "क्योंकि पाप की मजदूरी मृत्यु है... और सब झूठ बोलने वालों का भाग उस झील में होगा जो आग और गंधक से जलती रहती है, जो दूसरी मृत्यु है।" (रोमियों 6:23a, प्रकाशितवाक्य 21:8)। इसलिए हम सभी ने झूठ बोला है, चोरी की है, या किसी चीज़ का लालच किया है - और हम सभी ने झूठ बोलने से भी बदतर काम किए हैं - इसलिए हम सभी अपने पापों के कारण नरक के पात्र हैं। बी (यीशु) लेकिन अच्छी खबर यह है कि मसीह हमारे पापों के लिए मरा, और उसे दफनाया गया, और वह तीसरे दिन फिर से जी उठा ताकि हमारे सभी पापों का भुगतान करे और हमें नरक से बचाए (उसने हमारी निंदा को सहन किया और हमारे दंड का पूरा भुगतान किया (वह हमारे पापों के लिए प्रायश्चित्त (या भुगतान) है))। "परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा" (रोमियों 5:8)। सी (उद्धार) बाइबल कहती है कि केवल एक ही चीज़ है जो हमें बचाए जाने के लिए करनी चाहिए, और वह है: "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो, तो तुम उद्धार पाओगे।" (प्रेरितों के काम 16:31)। यीशु पर विश्वास करने का अर्थ है कि हम अपने पापों के पूर्ण भुगतान के रूप में उसकी मृत्यु, उसके दफन और उसके पुनरुत्थान पर अपना पूरा विश्वास और भरोसा रखते हैं, जो हमें अनन्त जीवन की गारंटी देता है। मुक्ति एक मुफ्त उपहार है - हम इसे अपने कामों या प्रयासों से नहीं कमा सकते हैं, जैसे: अपने पापों से दूर होकर, या किसी चर्च में शामिल होकर, या बपतिस्मा लेकर, या आज्ञाओं का पालन करके, या एक अच्छा इंसान बनकर, आदि। यह एक उपहार है, और यह 100% केवल यीशु मसीह में विश्वास (विश्वास या भरोसा करके) और क्रूस पर उनके पूर्ण किए गए कार्य (या बलिदान) को स्वीकार करके प्राप्त होता है। "कि यदि तू अपने मुँह से प्रभु यीशु को स्वीकार करे (यदि तू उससे अपने उद्धार के लिए कहे), और अपने मन से विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुए में से जिलाया है, तो तू अवश्य उद्धार पाएगा" (रोमियों 10:9)। मसीह को उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करने के लिए नमूना प्रार्थना (अपने हृदय में इस पर विश्वास करें): "प्रभु यीशु, मैं जानता हूँ कि मैं एक पापी हूँ और मैं नरक का हकदार हूँ। लेकिन मेरा मानना है कि आप क्रूस पर मरे और मेरे सभी पापों का भुगतान करने के लिए फिर से जी उठे। मुझे अभी बचाएँ और मुझे अनन्त जीवन दें। मैं अपने उद्धारकर्ता के रूप में केवल आप पर भरोसा कर रहा हूँ - और अपने स्वयं के कार्यों पर नहीं। मुझे बचाने के लिए धन्यवाद, यीशु के नाम में, आमीन!"। "जो पुत्र पर विश्वास करता है, उसके पास अनन्त जीवन है" (यूहन्ना 3:36)। बधाई हो! KJB = किंग जेम्स बाइबल (रोमन की पुस्तक, आदि)। Jesusprecious.org, Thepreaching.com, BW2H.com (आपकी भाषा में सुसमाचार वीडियो), Wordproject.org (ऑडियो बाइबल)। भगवान आप सभी को आशीर्वाद दें - कृपया साझा करें!

ABC सुसमाचार - A (पाप) - "क्योंकि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा (या पूर्णता) से रहित हैं। जैसा लिखा है, कोई भी धर्मी नहीं, एक भी नहीं" (रोमियों 3:23, 10)। इसका मतलब है कि हर व्यक्ति पापी है, और हमारे पापों का एक परिणाम है "क्योंकि पाप की मजदूरी मृत्यु है... और सब झूठ बोलने वालों का भाग उस झील में होगा जो आग और गंधक से जलती रहती है, जो दूसरी मृत्यु है।" (रोमियों 6:23a, प्रकाशितवाक्य 21:8)। इसलिए हम सभी ने झूठ बोला है, चोरी की है, या किसी चीज़ का लालच किया है - और हम सभी ने झूठ बोलने से भी बदतर काम किए हैं - इसलिए हम सभी अपने पापों के कारण नरक के पात्र हैं। बी (यीशु) लेकिन अच्छी खबर यह है कि मसीह हमारे पापों के लिए मरा, और उसे दफनाया गया, और वह तीसरे दिन फिर से जी उठा ताकि हमारे सभी पापों का भुगतान करे और हमें नरक से बचाए (उसने हमारी निंदा को सहन किया और हमारे दंड का पूरा भुगतान किया (वह हमारे पापों के लिए प्रायश्चित्त (या भुगतान) है))। "परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा" (रोमियों 5:8)। सी (उद्धार) बाइबल कहती है कि केवल एक ही चीज़ है जो हमें बचाए जाने के लिए करनी चाहिए, और वह है: "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो, तो तुम उद्धार पाओगे।" (प्रेरितों के काम 16:31)। यीशु पर विश्वास करने का अर्थ है कि हम अपने पापों के पूर्ण भुगतान के रूप में उसकी मृत्यु, उसके दफन और उसके पुनरुत्थान पर अपना पूरा विश्वास और भरोसा रखते हैं, जो हमें अनन्त जीवन की गारंटी देता है। मुक्ति एक मुफ्त उपहार है - हम इसे अपने कामों या प्रयासों से नहीं कमा सकते हैं, जैसे: अपने पापों से दूर होकर, या किसी चर्च में शामिल होकर, या बपतिस्मा लेकर, या आज्ञाओं का पालन करके, या एक अच्छा इंसान बनकर, आदि। यह एक उपहार है, और यह 100% केवल यीशु मसीह में विश्वास (विश्वास या भरोसा करके) और क्रूस पर उनके पूर्ण किए गए कार्य (या बलिदान) को स्वीकार करके प्राप्त होता है। "कि यदि तू अपने मुँह से प्रभु यीशु को स्वीकार करे (यदि तू उससे अपने उद्धार के लिए कहे), और अपने मन से विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुए में से जिलाया है, तो तू अवश्य उद्धार पाएगा" (रोमियों 10:9)। मसीह को उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करने के लिए नमूना प्रार्थना (अपने हृदय में इस पर विश्वास करें): "प्रभु यीशु, मैं जानता हूँ कि मैं एक पापी हूँ और मैं नरक का हकदार हूँ। लेकिन मेरा मानना है कि आप क्रूस पर मरे और मेरे सभी पापों का भुगतान करने के लिए फिर से जी उठे। मुझे अभी बचाएँ और मुझे अनन्त जीवन दें। मैं अपने उद्धारकर्ता के रूप में केवल आप पर भरोसा कर रहा हूँ - और अपने स्वयं के कार्यों पर नहीं। मुझे बचाने के लिए धन्यवाद, यीशु के नाम में, आमीन!"। "जो पुत्र पर विश्वास करता है, उसके पास अनन्त जीवन है" (यूहन्ना 3:36)। बधाई हो! KJB = किंग जेम्स बाइबल (रोमन की पुस्तक, आदि)। Jesusprecious.org, Thepreaching.com, BW2H.com (आपकी भाषा में सुसमाचार वीडियो), Wordproject.org (ऑडियो बाइबल)। भगवान आप सभी को आशीर्वाद दें - कृपया साझा करें!